web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 05 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 67

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेसवे पर दो कारों में टक्कर के बाद लगी आग; 1 की मौत

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेस-वे पर देर रात भीषण सडक़ हादसे की खबर सामने आई है। द्वारका एक्सप्रेस-वे पर बुधवार रात दो कारों की आपस में टक्कर के बाद आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन आग इतनी तेज थी कि दोनों गाडिय़ां जलकर राख हो गई। घटना की जानकारी देते हुए दमकल अधिकारी ने बताया कि सडक़ हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि बाकी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि हादसे की वजह का अभी तक पूरी तरह से पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई है। इससे पहले 1 दिसंबर को दिल्ली के वजीरपुर फ्लाईओवर पर एक बाइक सवार की टक्कर लगने से मौत हो गई थी। घटना रविवार शाम को हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में शामिल वाहन की पहचान कर ली गई है लेकिन वह बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया था। मामले की जांच की जा रही है।

तेलंगाना के मुलुगु में भूकंप के झटकों से लोग सहमे, 5.3 मापी गई तीव्रता

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के मुलुगु जिले में सुबह-सुबह भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई है।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप सुबह लगभग 7:27 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र मुलुगु क्षेत्र में 40 किलोमीटर की गहराई पर था।भूकंप के झटके तेलंगाना में मुलुगु और उसके पड़ोसी क्षेत्रों के अलावा हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता 5 से अधिक होने के बाद भी किसी के हताहत होने या संपत्ति के महत्वपूर्ण नुकसान की कोई तत्काल जानकारी नहीं मिली।बता दें, तेलंगाना भारत में भूकंपीय क्षेत्र 2 के अंतर्गत आता है, जो सबसे कम तीव्रता वाला क्षेत्र है।देश को चार भूकंपीय क्षेत्रों (जोन 2 से जोन 5) में बांटा गया है। जोन 5 तीव्र भूकंपीय गतिविधि के लिए सबसे अधिक संवेदनशील है। भारत का लगभग 59 प्रतिशत भूभाग इन क्षेत्रों में आता है।

गाजीपुर बॉर्डर पर जाम में फंसे लोगों का फूटा गुस्सा, कार्यकर्ताओं से झड़प

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजीपुर बॉर्डर पर बुधवार को भारी ट्रैफिक जाम हो गया। दरअसल राहुल गांधी संभल जा रहे थे और कांग्रेस कार्यकर्ता रोड पर आ गए। बैरिकेडिंग के कारण ट्रैफिक जाम फंसे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और नारेबाजी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ जाम में फंसे लोगों ने नारेबाजी भी की। बताया जा रहा है कि नारे लगाने वालों को कांग्रेस समथकों ने पीट दिया। इसके बाद आम लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और यात्रियों के बीच झड़प का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कांग्रेस समर्थक कुछ लोग नारेबाजी कर रहे यात्रियों को हटा रहे हैं और उसके साथ बहस भी कर रहे हैं। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि कांग्रेस समर्थक कुछ लोगों को पीट भी रहे हैं और धक्का देकर वहां से हटा रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री, आज होगा शपथ ग्रहण समारोह

मुंबई। आरएनएस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के 11 दिन बाद आखिरकार नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो गया है। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुंबई में भाजपा के कोर समिति की बैठक में फडणवीस के नाम पर मुहर लग गई है। विधायक दल की बैठक जारी है।खबर है कि फडणवीस राजभवन जाकर विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौपेंगे। 5 दिसंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

भाजपा ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था।भाजपा कोर समिति की बैठक में फडणवीस के नाम का प्रस्ताव लाया गया। सुधीर मुनगंटीवार और चंद्रकांत पाटिल ने फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा और पंकजा मुंडे ने इसका समर्थन किया।अब महायुति के विधायक दल की बैठक होगी। इसमें फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा।

आज यानी 5 दिसंबर को फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। वे सबसे पहले अक्टूबर, 2014 में मुख्यमंत्री बने थे। तब वे राज्य के दूसरे सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री थे। दूसरे बार उन्होंने 23 नवंबर, 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि, उनकी ये सरकार केवल 80 घंटे ही चल सकी और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।अब वे तीसरी बार शपथ लेने जा रहे हैं।

27 नवंबर को कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से लगभग खुद को बाहर कर दिया था।उन्होंने कहा था, मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर कहा था कि हमारे बीच कोई अड़चन नहीं है। आप जो भी फैसला लेंगे, वो हमें मंजूर होगा। हम एनडीए का हिस्सा हैं। अगर भाजपा के लिए लेते हैं फैसला, या किसी के लिए फैसला लेते हैं हमें मंजूर होगा। मुझे भाजपा की सरकार से कोई दिक्कत नहीं है।

28 नवंबर की देर रात दिल्ली में महायुति के प्रमुख नेताओं देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार के बीच बैठक हुई थी। इसमें गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे।शाह के साथ बैठक से पहले फडऩवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सांसद सुनील तटकरे के आवास पर अजित पवार से अलग से मुलाकात की थी। हालांकि, इस बैठक में कुछ मुद्दों को लेकर सहमति नहीं बन सकी थी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावी नतीजों में शिवसेना, भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति गठबंधन ने 235 सीटें जीती हैं।भाजपा को 132, शिवसेना को 57 और एनसीपी को 41 सीटें मिली हैं।गठबंधन में शामिल छोटी पार्टियों ने भी 5 सीटों पर जीत हासिल की है।वहीं, विपक्षी महाविकास अघाड़ी में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को 20, कांग्रेस को 16 और एनसीपी (शरद पवार) को 10 सीटें मिली हैं।

रेलवे की क्षमता में होगा बड़ा इजाफा, जोड़े जाएंगे एक हजार जनरल कोच

नई दिल्ली। आरएनएस

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 1989 के रेलवे अधिनियम के साथ 1905 के भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम को एकीकृत करने के प्रावधान वाला एक विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया और कहा कि इसके पारित होने से रेलवे की क्षमता में इजाफा होगा। वैष्णव ने 'रेल संशोधन विधेयक, 2024' को सदन में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। उन्होंने कहा कि रेलवे शुरुआत में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का एक अंग होता था और 1905 में इसे पीडब्ल्यूडी से अलग कर नया रेलवे बोर्ड बनाया गया।

वैष्णव ने कहा कि 1989 में नया रेलवे अधिनियम कानून लाया गया, लेकिन उसमें 1905 के रेलवे बोर्ड कानून को एकीकृत नहीं किया गया जो कि उसी समय किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''रेलवे अधिनियम 1989 में भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम 1905 को एकीकृत करने के लिए ही यह विधेयक लाया गया है। इस विधेयक के पारित होने से रेलवे की क्षमता और विकास में इजाफा होगा।'' वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में रेलवे ने बहुत विकास किया है।

वैष्णव ने बताया कि गरीब यात्रियों के लिए इस महीने के अंत तक रेलगाडिय़ों में एक हजार सामान्य कोच जोड़े जाएंगे और कुल मिलाकर 10 हजार नए डिब्बे जोडऩे का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में रेलवे का बजट बढ़ा है, रेलवे का विद्युतीकरण बढ़ा है तथा इसका नेटवर्क भी तेजी से बढ़ रहा है। वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार ने रेलवे में सुरक्षा पर भी ध्यान दिया है और उसी का परिणाम है कि जहां संप्रग सरकार के समय एक साल में औसतन 153 रेल हादसे होते थे, वहीं पिछले साल 40 रेल दुर्घटनाएं सामने आईं और इस साल अब तक 29 रेल हादसे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेल हादसों को और कम करने के लिए ध्यान दिया जा रहा है।

रांची और गिरिडीह में कमर्शियल बिल्डिंग और गोदामों में भीषण आग, करोड़ों का नुकसान

रांची। आरएनएस

रांची शहर के मेन रोड से सटे लालजी हीरजी रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में बुधवार को सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। इससे यहां कम से कम 12 दुकानें जलकर राख हो गई हैं। फायर ब्रिगेड के कई दस्ते आग बुझाने में जुटे हैं।

जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वहां हार्डवेयर, बैटरी और प्लाई की कई दुकानें हैं। आग से इन दुकानों का करोड़ों का माल जलकर नष्ट हो गया है। बताया जा रहा है कि आग संभवत: एक दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी और इसके बाद इसने तेजी से पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। देखते-देखते ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि बिल्डिंग में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। दुकानदारों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर मौजूद है। पुलिस और प्रशासन के अफसर भी पहुंचे हैं।

लालजी हिरजी रोड शहर का बेहद व्यस्त इलाका है। यह व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है, लेकिन रोड संकरी होने की वजह से फायर ब्रिगेड की गाडिय़ों को पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। दुकानदारों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझाए जाने के बाद ही नुकसान का सही आकलन हो पाएगा।

एक अन्य घटना में, गिरिडीह शहर के पचंबा थाना क्षेत्र के बोड़ो में मंगलवार की आधी रात प्लाईवुड और इलेक्ट्रिक शॉप के तीन गोदामों में भीषण आग लगने से करीब 2 करोड़ रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। गोदाम के अंदर तीन मोटरसाइकिलें और एक एसयूवी कार भी पूरी तरह से जलकर राख हो गई। रात में घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग इतनी भयावह थी कि इसपर काबू पाने में करीब नौ घंटे लग गए। बुधवार सुबह नौ बजे आग पर काबू पा लिया गया है।

स्वर्ण मंदिर पर पहरेदारी कर रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर चली गोली

चंडीगढ़। आरएनएस

पंजाब के अमृतसर में बुधवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गोलीबारी हुई है।यह गोली तब चली जब सुखबीर अकाल तख्त द्वारा सुनाई गई धार्मिक सजा (तनखाह) के तहत स्वर्ण मंदिर के प्रवेश द्वार पर सेवादार कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पहरेदारी कर रहे थे।गोलीबारी करने वाले व्यक्ति को मौके पर पकड़ लिया गया है। हमले में सुखबीर बाल-बाल बच गए हैं।

गोलीबारी के समय का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर को गोली चलाने से पहले एक व्यक्ति द्वारा पकड़ते देखा जा सकता है। हालांकि, इसके बाद भी गोली चल जाती है, लेकिन किसी को लगी नहीं।हमलावर की पहचान नारायण सिंह चौड़ा के रूप में हुई है, जो दल खालसा का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। उसने अपनी पैंट से पिस्तौल निकालकर हमला करने की कोशिश की थी।पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त साहिब पर पंच सिंह साहिबों ने सोमवार को स्वर्ण मंदिर में बादल और उनके साथ के मंत्रियों को तनखाह सुनाई थी।बादल ने पंच सिंह साहिब के सामने अपनी गलतियों को कबूल किया था। अकाल तख्त ने 2 महीने पहले ही सभी को 'तनखैया' (धार्मिक दोषी) घोषित किया था।अकाल तख्त ने 6 महीने में अकाली दल का नया अध्यक्ष चुनने को कहा और पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल से फख्र-ए-कौम उपाधि छीनी है।

पंजाब में 2007 से 2017 तक अकाली दल और उनकी सरकार द्वारा की गई गलतियों के लिए 30 अगस्त को बादल को 'तनखैया' घोषित किया था।बादल पर अपने कार्यकाल में सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को ईशनिंदा मामले में माफी और निर्दोष सिखों की हत्या में शामिल पुलिस अधिकारियों को पदोन्नति देने का आरोप था।राम रहीम पर 2007 में ईशनिंदा का मामला दर्ज हुआ था, लेकिन अकाली दल सरकार ने मामला वापस ले लिया था।

सुखबीर और उनकी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे तत्कालीन विधायक 2 दिन तक 1-1 घंटे स्वर्ण मंदिर, श्री केशगढ़ साहिब, श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो, श्री मुक्तसर साहिब, श्री फतेहगढ़ साहिब में पहरेदारी करेंगे, लंगर में जूठे बर्तन और शौचालय साफ करेंगे।

इसरो के पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 की टली लॉन्चिंग

नईदिल्ली। आरएनएस

पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 की लॉन्चिंग को लेकर भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो (इसरो) ने बुधवार को पूरी तैयारियां कर ली थीं. वैज्ञानिक मिशन की सफलता को लेकर काफी उत्साहित थे, लेकिन आखिरी समय में ऐसा क्या हुआ कि इसरो में हडक़ंप मच गया. इसरो ने पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 की लॉन्चिंग कल तक के लिए टाल दी है. इस बात की जानकारी खुद भारतीय स्पेस एजेंसी ने दी है.

भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोबा-3 मिशन को री-शिड्यूल किए जाने को लेकर पोस्ट किया. इसरो ने बताया, 'प्रोबा-3 एयरक्राफ्ट में खामियां पाई गई हैं, जिसके कारण पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 का प्रक्षेपण कल 16:12 बजे किया जाएगा.'

अब वैज्ञानिक पूरी एकजुटता के साथ प्रोबा-3 स्पेसक्राफ्ट में आई खामी को ठीक करने में जुटी हुई है. ताकि कल (गुरुवार) जब इसे लॉन्च किया जाए, तो प्रेक्षपण के सफल होने की गारंटी 100त्न रहे. हालांकि इसरो ने प्रोबा-3 मिशन की लॉन्चिंग को लेकर पूरी तैयारी कर ली थीं. इसको लेकर इसरो एक्स पर जानकारी भी पोस्ट कर रही थी.

प्रोबा-3 मिशन कई देशों के वैज्ञानिकों की एक साथ मिलकर की कड़ी मेहनत का नतीजा है. प्रोबा का मतलब प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड ऑटोनॉमी है. यह एक लैटिन वर्ड है, जिसका अर्थ 'आओ कोशिश करें' है. इस मिशन में एक नहीं बल्कि दो उपग्रह लॉन्च किए जाएंगे. ये दुनिया पहला परिशुद्ध संरचना उड़ान मिशन है यानी इसमें सैटेलाइट एक खास स्थिति में उड़ान भरेंगे. इस मिशन में स्पेन, पोलैंड, बेल्जियम, इटली, और स्वीट्जरलैंड के वैज्ञानिक शामिल है. प्रोबा-3 मिशन अगले दो सालों तक संचालित होगा. बता दें कि इससे पहले इसरो प्रोबा-1 और प्रोबा-2 की लॉन्चिंग में बड़ी भूमिका निभा चुका है.

सूर्य के वायुमंडल की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन करना है. कोरोना के बारे में कहा जाता है कि ये सूर्य की सतह की तुलना में कई गुना अधिक गर्म है. इससे निकलने वाली सौर हवाएं उपग्रहों और पृथ्वी को प्रभावित करती है. हालांकि, इंसानों को ये तभी दिखाई देती है, जब पूर्ण सूर्यग्रहण होता है.

प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट आर्टिफिशियल सूर्यग्रहण बनाएंगे ताकि सूर्य के कोरोना का अध्ययन किया जा सके. इन जुड़वां सैटेलाइट में से एक पर कोरोनाग्राफ होगा जबकि दूसरे पर ऑल्टर होगा. इनमें एक सैटेलाइट सूर्य को छिपाएगा जबकि दूसरा सैटेलाइट सूर्य के कोरोना का निरीक्षण करेगा. ऐसा साल में 50 बार किया जाएगा और हर राउंड की अवधि 6 घंटे की होगी. इस तरह सूरज के उस हिस्से यानी कोरोना की स्टडी कर पाएंगे जो आसानी से नहीं दिखाता है और उसके बारे में ज्यादा कुछ पता भी नहीं है.

ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को कितनी सब्सिडी देती है सरकार, रेल मंत्री ने दिया जवाब

नईदिल्ली। आरएनएस

ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को भारत सरकार जबरदस्त सब्सिडी देती है। संसद के निचले सदन लोकसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि भारत सरकार सभी रेल यात्रियों को टिकट पर 46 प्रतिशत की सब्सिडी देती है। रेल मंत्री ने कहा कि सरकार यात्रियों से 100 रुपये की यात्रा सेवा के लिए 54 रुपये ही लेती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेल मंत्रालय यात्रियों के लिए सब्सिडी पर हर साल 56,993 करोड़ रुपये खर्च करता है।

महाराष्ट्र के सोलापुर की कांग्रेस सांसद प्रणिती शिंदे ने लोकसभा के प्रश्नकाल में खिलाडिय़ों की रेल यात्रा पर सब्सिडी को लेकर सवाल पूछा था। प्रणिती शिंदे ने अपने सवाल में कहा कि खिलाडिय़ों को खेलों में हिस्सा लेने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करनी होती है। प्रणिती शिंद के सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि सरकार जिन रेल यात्रियों के लिए 56,993 करोड़ रुपये की सब्सिडी देती है, उनमें खिलाड़ी भी शामिल हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि रेल यात्रियों को दी जाने वाली सब्सिडी में खिलाड़ी भी शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने सवाल के जवाब में ये भी कहा कि जिस तरह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में सडक़ों से पूरे देश को जोड़ा गया था, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे और मझोले रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

अमृतसर-मुंबई ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में मिला पटाखा

नई दिल्ली। आरएनएस

अमृतसर से मुंबई के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 11058 के पार्सल वैन में बम की कॉल मिलने से जीआरपी कंट्रोल रूम में खलबली मच गई। जब गहनता से जांच की गई तो जीआरपी को पटाखे मिले। जिसके बाद अधिकारियों ने चैन की सांस ली है।

मिली जानकारी के अनुसार, 11058 अमृतसर-सीएसएमटी एक्सप्रेस में दिल्ली से आए एक पार्सल में बम होने की सूचना जीआरपी कंट्रोल रूम को मंगलवार सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर मिली थी। कॉल का संज्ञान लेते हुए बम निरोधी दस्ता और डॉग स्क्वाड के साथ जीआरपी व आरपीएफ के जवान पार्सल ऑफिस पहुंचे। यहां पार्सल वैन की अच्छे से जांच की गई तो एक बोरी में पटाखे से भरे दो बॉक्स मिले। दोनों बॉक्स में 30 पटाखे रखे थे। पटाखों की बोरी पर मार्कर से एक जगह का पता भी लिखा गया था। जिस पार्सल वैन में विस्फोटक आने की जानकारी मिली थी, उसे निजी कंपनी ने लीज पर लिया है।

पार्सल वैन की जांच के बाद रेलवे ने पार्सल कंपनी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

आरपीएफ ने दोनों बॉक्स को कब्जे में ले लिया है और अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आरपीएफ इस पूरे मामले की जांच कर रही है। लेकिन पार्सल में इतनी बड़ी लापरवाही ने रेलवे की सुरक्षा पर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

आरपीएफ एक्ट के तहत ट्रेन में किसी भी तरह के ज्वलनशील पदार्थ लेकर नहीं जा सकते हैं। आरपीएफ इस कड़ी को सुलझाने का प्रयास कर रही है कि आखिर कैसे पार्सल वैन विस्फोटक आया।

बता दें कि 11058 अमृतसर-मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस तक सप्ताह के सातों दिन चलती है। यह ट्रेन करीब 40 घंटे में 2046 किलोमीटर की दूरी तय करती है। ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर क्लास कोच की सुविधा यात्रियों को मिल रही है।

ऑपरेशन डेमो के जरिए नौसेना करेगी अपनी शक्ति व कौशल का प्रदर्शन

नई दिल्ली द्य आरएनएस

बुधवार 4 दिसंबर को ब्लू फ्लैग बीच पुरी, ओडिशा में नौसेना दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। यहां भारतीय नौसेना एक ऑपरेशनल प्रदर्शन (ऑपरेशन डेमो) के माध्यम से अपनी परिचालन शक्ति और कौशल प्रदर्शित करेगी। इस दौरान यहां नौसेना के आधुनिकतम हथियार, सेंसर एवं अन्य उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। भारत की राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू इस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी।

नौसेना दिवस समारोह में भारतीय नौसेना द्वारा किए जाने वाले ऑप डेमो में 90,000 टन के संयुक्त भार वाली नेवल इकाइयों की भागीदारी देखी जाएगी। इसमें लगे हथियार और सेंसर 300 किलोमीटर के दायरे में सतह, उप सतह या हवा से उत्पन्न होने वाले किसी भी खतरे को बेअसर करने की क्षमता रखते हैं। 3500 से अधिक नौसेना कर्मी समुद्र में इन प्लेटफार्मों का प्रबंधन करेंगे। वहीं 350 अन्य कर्मी ऑपरेशन डेमो के लिए तट पर से समन्वय में करेंगे।

नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि भारतीय नौसेना ओडिशा के साथ एक ऐतिहासिक और रणनीतिक बंधन साझा करती है। प्राचीन ओडिशा अपने व्यापक समुद्री संबंधों के लिए प्रसिद्ध था, जो इसकी पहचान और समृद्धि का केंद्र था। बंगाल की खाड़ी के पार विदेशी व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की समृद्ध परंपरा के साथ ओडिशा एक प्रमुख समुद्री शक्ति थी। ओडिशा के व्यापारी और नाविक सुदूर देशों के साथ संबंध स्थापित करते हुए लंबी यात्राओं पर निकलते थे।

नौसेना दिवस के इस समारोह में भारतीय नौसेना की स्वदेशी अत्याधुनिक तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा। यह भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएगा। साथ ही इस आयोजन के जरिए नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा भागीदार और प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता बनने का संकल्प लेगी। भारतीय नौसेना का दृष्टिकोण, क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) की बात सुनिश्चित करता है।

नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल और मुख्यमंत्री, केंद्रीय और राज्य के कैबिनेट मंत्री और स्थानीय लोग भी शामिल होंगे। यह दूसरी बार है कि भारतीय नौसेना किसी प्रमुख नौसैनिक स्टेशन के अलावा किसी अन्य स्थान पर एक मेगा कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।